प्रगती

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)

प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),

नजीबाबाद,बिजनोर.

Kudumbashree National Resource Organisation

आक्टोबर २०२१

अप्रैल से सितंबर की प्रगती

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)
प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),
नजीबाबाद,बिजनोर

संयोग
प्रगती लघु उद्योग सलाहकार समुह
प्रखंड संसाधन केंद्र.,नजीबाबाद

आक्टोबर 2021

भाग 1
संक्षिप्त विवरण

Target		Achievement	
Target for 4 years	2,190	Cumulative Achievement	1,887
Target 2021-22	674	Achievement 2021-22	378
New Target	1,721	New	1,639
Existing Enterprises	305	Achievement (EE)	248

Household Consumption	1,644	Achievement (HC)	1,424
Government Sector	77	Achievement (GS)	365
Sub-sector	164	Achievement SS	389

Male	805	Female	1,082
Individual	1,813	Group	74
Number of Entrepreneurs Avail CEF	937		
Number of Active CRP-EP	21		

	Block	Trading	Service	Manufacturing
1.	Najibabad	728	889	270

व्यावसायिक क्षेत्र से वर्गीकरण

जातीवार वर्गीकरण

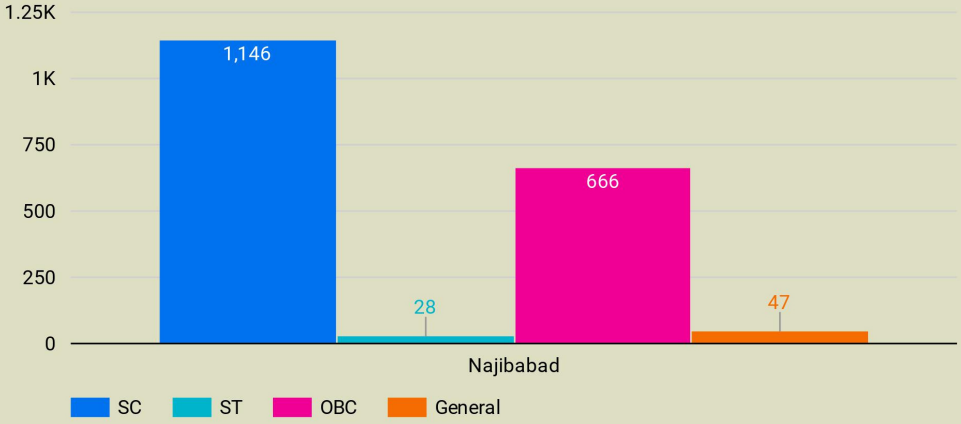

भाग 2
उद्यम संवर्धन

परियोजना अनुमोदन समिति (PAC) की बैठक

एप्रिल से सितम्बर 2021 तक बी.आर.सी. कार्यालय नजीबाबाद में 8 परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक करायी गयी, जिसमें में 2 बैठके ऑनलाइन में कि गयी। इन बैठक में बी॰ई॰पी॰सी॰ के सदस्य के साथ ही एस॰वी॰ई॰पी॰- बी॰एम॰एम॰ और मेंटर भी उपस्थित थे। इन बैठक में सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ द्वारा बनाये गये 526 व्यापार योजना को स्वीकृति समिति के प्रत्यक्ष रखा गया । स्वीकृति समिति के सदस्य द्वारा उद्यमी के साक्षात्कार लेकर, उद्यम, उद्यमी और उद्यम परियोजना के सम्बंधित पूरी जानकारी लेकर इसे स्वीकृत किए गए। इन बैठक में कुल 94 उद्यमीयों को बाईस लाख पंधरा हज़ार का ऋण स्वीकृत किया गया है । जिसमें मेहंदी का उत्पादन , चूड़ी बनाना , झाड़ू बनाना, किराना, नमकीन की उत्पाद , परिवहन सेवा, चाय का दुकान , कपड़े का व्यापार जैसे भिन्न - भिन्न 387 व्यापार क्षेत्र में शुरू किए गए है।

ऑर्टिफ़िशल फ्लावर बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉक में अर्पन संकुल संगठन के कार्यालय परिसर में एस.वी.ई.पी. परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 45 समुह कि दिदिया या उनके परीवार के सदस्य को कृत्रिम फूलदान बनाने का तीन दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया. | यह प्रशिक्षण ब्लॉक में कौशल्या आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और समूह की दीदियों को स्वयं रोज़गार से जोड़ने के उद्देश दिया गया था। सीआरपी ईपी वाजीदा को कृत्रिम फूलदान बनाने अच्छा ज्ञान ओर अनुभव हे, इस लिए सीआरपी ईपी वाजीदा ने यह प्रशिक्षण उद्यमी को दिया | वह उद्यमियों को बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज बनाने में भी मदद कर रही है। उन्होंने दिल्ली में कच्चे माल के किफायती स्रोतों की पहचान की है और उन स्थानों की भी पहचान की है जहां इन उत्पादों को बेचा जा सकता है। प्रशिक्षण के अंतिम दिन उन्होंने उद्यमियों के साथ कच्चे माल के बारे में सारी जानकारी साझा की है। प्रशिक्षण समापन के दिन सभी को प्रतीभागी को प्रमाणित किया गया

झाड़ु बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉक के बीआरसी कार्यालय में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 49 महिला को 28 अगस्त 2021 से 29 अगस्त 2021 तक झाड़ु बनाने का दो दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण आय.सी.आय.सी.आई फाउंडेशन के ग्रामीण आजीविका कार्यक्रम के तहत दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र के लोगोँ विशेश रुप से माहिलाओ को आर्थिक सशक्त करने के लिए आय.सी.आय.सी.आई फाउंडेशन ओर बी.आर.सी. नजीबाबाद द्वारा यह प्रशिक्षण रखा गया था। यह नजीबाबाद क्षेत्र में दूसरी बार प्रशिक्षण कराया गया। एक वर्ष से पहले आई.सी.आई.सी.आई ओर बी.आर.सी के माध्यम से दिया गया था, वह झाड़ू बनाने वाली इकाई की संख्या अच्छी तरह से चल रही है। इसलिए समुदाय की जरूरत और मांग, ओर बाजार की जरूरत को देखते हुए, यह प्रशिक्षण का आयोजन करया गया था।

टेडी बिअर बनाने प्रशिक्षण

ब्लॉक के बीआरसी कार्यालय में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 20 महिला को 28 अगस्त 2021 से 01 सितंबर 2021 तक टेडी बिअर बनाने का चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। सीआरपी-ईपी ने मेंटर और एसपीसी एनआरओ के मदद से टेडी बियर का उत्पादन करने के लिए नजीबाबाद के पास के बाजार जैसे मुरादाबाद, हरिद्वार, कोटद्वार आदि का अध्ययन किया । बाजार की उपलब्धता को समझते हुए उन्होंने बाजार के अवसर का लाभ लेने के लिए टेडी बिअर बनाने का प्रशिक्षण की योजना बनाई गई । बीआरसी लेखाकार टेडी बिअर बनाने में प्रशिक्षित है और उन्हें टेडी बियर के उत्पादन का अच्छा ज्ञान है इसलिए उन्हे एक प्रशिक्षक की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होने चार दिनों तक विस्तृत प्रशिक्षण दिया। टेडी बीआर का अभी तक उद्यम शुरू नहीं किया है क्योंकि उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षणार्थी को अधिक अभ्यास की आवश्यकता है। अभी वे सीआरपीईपी के देखरेख में अभ्यास कर रहे हैं और अक्टूबर के अंत में एमई का गठन होने की उम्मीद है।

आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन

७ सितंबर २०२१ से १२ सितंबर २०२१ तक बीआरसी कार्यालय नजीबाबाद मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत आज़ादी के 75 साल पूरे होने के ख़ुशी में ७५ वे आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया| अमृत महोत्सव के लिए ७ सितंबर २०२१ को पीएसी बैठक आयोजित की गई. जिसमे ९६ व्यापार योजना को मंजूरी दी गई। पीएसी में १३ बीईपीसी सदस्य, मेंटर, सीआरपी ईपी और उद्यमी भी पीएसी बैठक में शामिल हुए।

11 सितंबर 2021 को अमृत महोत्सव के उत्सव को जारी रखते हुए बीआरसी कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में एसएचजी सदस्यों, उद्यमियों, बीईपीसी सदस्यों सहित लगभग 100 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञान सिंग जी (डी.सी एन.आर.एल.एम बिजनोर) थे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अमृत महोत्सव, एसवीईपी परियोजना- स्वरोजगार, गरीबी उन्मूलन की आवश्यकता और महत्व के बारे में जानकारी दी। डी.एम.एम विपिन जी ने अपने भाषण में पैकेजिंग या लेबलिंग के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में एसएचजी सदस्यों और उद्यमियों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में एसएचजी सदस्यों को सी.ई.एफ के समय पर पुनर्भुगतान के लिए सम्मानित किया गया। कौशल प्रशिक्षण पूरा करने वाले एसएचजी सदस्यों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। अतिथि द्वारा को एसवीईपी उत्पाद की प्रदर्शनी भी देखी गई और क्षेत्र में उद्यमों का उद्घाटन किया गया

भाग 3
क्षमता विकास

बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षण

24 अप्रैल 2021 को कुदुम्बश्री एनआरओ की उत्तर प्रदेश टीम ने एन॰आर॰ओ॰ क़े 4 ब्लॉक के बीआरसी के लेखाकारों का ऑनलाइन प्रशिक्षण किया। प्रतिभागियों में एन॰आर॰ओ॰ के एस॰पी॰सी॰, एफ़॰सी॰, बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद के मेंटर प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए, तथा नजीबाबाद, हसवा, नारायणी और थेकमा ब्लॉक के बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षणार्थी रूप में शामिल थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखाकारों को एसवीईपी परियोजना में उनकी भूमिका, एसवीईपी में शामिल लेखा प्रक्रिया और एसवीईपी परियोजना के तहत अभिलेखों की पुस्तकों के बारे में शिक्षित करना था। नजीबाबाद और बीएपी के संरक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रमुख प्रशिक्षक थे, जबकि कुछ सत्र एफ़॰सी॰ और एस॰पी॰सी॰ द्वारा भी किए गए ।

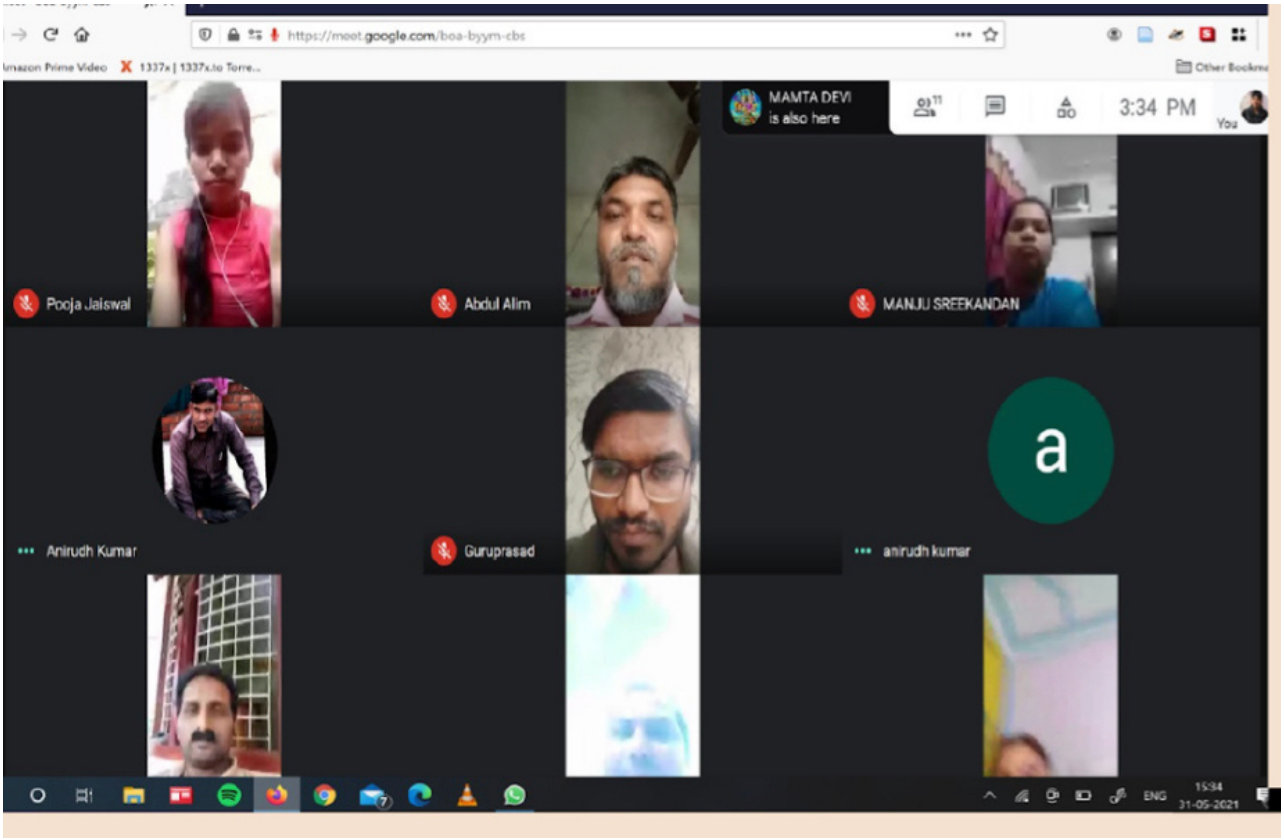

यह आठ दिनों तक चलने वाला एक प्रशिक्षण कार्यक्रम था जिसमें लेखाकारों की लेखा क्षमताओं को बढ़ाने पर **बल** दिया गया था। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और अभ्यास दोनों सत्र शामिल थे। सीखने की प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, लेखाकार के संदर्भ के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और रिकॉर्ड की सॉफ्ट कॉपी सैंपल टेम्प्लेट बनाए गए, और यह सुनिश्चित किया कि वे असाइनमेंट में इसका पालन करें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'अभ्यास सत्र' था जहां कई प्रश्नों, असाइनमेंट पर चर्चा की गई, उसके बाद संदेह निवारण सत्र हुए। प्रारंभ में, कुछ बाधाएं थीं, जैसे ट्रैकर्स के सत्र के लिए लैपटॉप की अनुपलब्धता, जिन्हें संबोधित किया गया और पाठ्यक्रम को अधिक प्रभावी और सीखने के अनुकूल बनाने के लिए मेंटर्स की मदद से लैपटॉप की व्यवस्था की गई। मेंटर्स और बीएपी के सहयोग से प्रशिक्षण सुचारू रूप से और सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

एक्सपोजर विजिट की मेजबानी

ब्लॉक के बीआरसी कार्यालय द्वारा एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत आने वाले बीआरसी हसवा और बीआरसी नरैनी की 5 अगुस्टिन 2021 से 8 अगस्त2021 तक एक्सपोजर विजिट की मेजबानी की। नजीबाबाद के बीईपीसी ने 2 ब्लॉक एक्सपोजर विजिट की मेजबानी की योजना पर चर्चा के लिए विशेष बैठक आयोजित की थी। बीईपीसी समन्वयक ने व्यवस्था से संबंधित सभी बातों पर चर्चा की । बैठक में सीआरपी ईपी के साथ क्षेत्र भ्रमण के लिए योजना बनाई गई और जगह का बंटवारा किया गया। सीआरपीईपी नितिन व पूनम को धनोरा क्लस्टर और गीता व वाजिदा को अर्पण क्लस्टर में व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई. नियोजन प्रक्रिया में मेंटर ने सूत्रधार की भूमिका निभाई। एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य एक दूसरे के साथ बातचीत करना और सीखना था, जिससे बीईपीसी सदस्यों को क्षेत्र से सर्वोत्तम प्रथाओं को देखने और उनके ब्लॉक में परियोजना के कार्यान्वयन में उनका उपयोग करने की संकल्पना मिले ।

बीआरसी हसवा और नरैनी के बीईपीसी सदस्यों को मेंटर, बीपीएम-एसवीईपी और कुडुम्बश्री एनआरओ के एफ़सी द्वारा सहायता प्रदान की गई । यह चार दिवसीय कार्यक्रम जिसमें बीईपीसी सदस्यों की क्षमता के निर्माण पर ज़ोर दिया गया था। दौरे के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार थी। डीसी-एनआरएलएम, बीपीएम, बीईपीसी और सीआरपी-ईपी समूह के साथ बातचीत, एसवीईपी दिशानिर्देशों पर सत्र, एसवीईपी-बीआरसी हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, बीईपीसी के साथ ऋण चुकौती और पुनर्भुगतान ट्रैकिंग पर सत्र थे। , एसवीईपी लघु, और मध्यम उदयमों का दौरा, बीआरसी बैठक, पीएसी बैठक, और बीआरसी नजीबाबाद टीम के साथ सीखी गईं बातो पर चर्चा ।

नरैनी की सविता दीदी ने कहा की "मुझे उनके काम करने का तरीका बहुत पसंद आया, और मैंने देखा कि वहां की सभी महिलाएं एकजुट और संगठित हैं; उन्हें बीआरसी संचालित करने के लिए किसी की मदद की जरूरत नहीं है। सबसे ज्यादा मुझे वहां की एकता पसंद आई। वह चीजें उनसे सीखने की जरूरत है।

नये सी.आर.पी.ई.पी. का प्रशिक्षण

डी.पी.आर के अनुसार ब्लॉक में कुल 30 सीआरपीईपी की आवश्यकता है। कार्यक्रम की शुरुआत में 30 से अधिक सीआरपी का चयन किया गया और प्रशिक्षण दिया गया लेकिन 9 सीआरपी ईपी ने व्यक्तिगत मुद्दों के कारण से इस्तीफा दे दिया। उद्यम प्रोत्साहन गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन के लिए ब्लॉक में सीआरपीईपी की मांग संख्या सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके लिए नजीबाबाद ब्लॉक मे दुसरी बार सीआरपीईपी का चयन कीया गया. अभी ब्लॉक मे 28 नए सीआरपी ईपी प्रशिक्षीत हो रहे हैं। नजीबाबाद में अभी टीम बी1 और टेड 3 तक का प्रशिक्षण पूरा हुआ और बी2 और बी3 प्रशिक्षण शेष है.

सी.ई.एफ़. पुनर्भुगतान संबंधित बैठक

ब्लॉक के बीआरसी कार्यालय में 27 जुलै 2021 को सी.ई.एफ़. पुनर्भुगतान संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बीईपीसी, सीआरपी ईपी और सीएलएफ लेखाकार और सीआरपीईपी की संयुक्त बैठक को डीएमएमयू द्वारा बुलाया गया। चुकौती संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए इस बैठक के बाद समय समय पर कुछ ओर संयुक्त बैठके भी आयोजित की गईं। डीएमएम गोविंद, विपिन और योगेंद्र ने बैठक में भाग लेकर और ब्लॉक की एन.पी.ए स्थिति पर चर्चा की . उन्होने बीईपीसी सदस्यों, सीआरपी ईपी से जानकारी एकत्र करके, सीएलएफ लेखाकार सीएलएफ की बैठको में मामले पर चर्चा करने ओर वी.ओ लेखाकार से पुनर्भुगतान के लिए नियमित रूप से संपर्क करने के निर्देश दिए. बीईपीसी को अपने क्षेत्र के दौरे को बढ़ाने के लिए भी सुझाव दिए गये।

भाग 4
गैलरी

अमृत महोत्सव में अनुमोदित उद्यमों का उद्घाटन करते हुए डीएमएम, बीएमएम,बीईपीसी और सीआरपीईपी

सी.आर.पी.ई.पी.का स्टार्टअप सपोर्ट के लिए दिल्ली बाज़ार का दौरा

बी.ई.पी.सी और सीआरपीईपी. बैठक की कुछ तस्वीरें

भाग 5
प्रेरणा (सफलता की कहानी)

मिथलेश शर्मा पति पवन कुमार शर्मा
उतर प्रदेश ब्लॉक नजीबाबाद गाव भगूवाला के रहने वाले मिथिलेश शर्मा (पति)पवन कुमार शर्मा के परिवार में 6 सदस्य हैं ल तीन बच्चे ओर पति व सास । पति के विक्लाग होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी । पवन कुमार एक फर्नीचर की दुकान में मजदूरी का काम करते थे तो उन्हें महीने में '4000' आय के रुप मे मिलते थे । लेकिन इतने पैसो से उनका घर खर्च भी पुरा नही होता था और ना बच्चो की पढाई का खर्च हो पाता होता था । एक दिन मिथलेश शर्मा को पता चला महिला समूह बन रहे है । बाहर से आई कुछ दीदी समूह के बारे मे बता रही थी। तो मिथलेश दीदी वहा गई और उसकी सारी बातें सून के समूह में जुड गई । समुह मे कुछ समय के जुड़ने के बाद वह समूह से कुछ पेसे लेकर सिलाई मशीन ली । उनको सिलाई का काम आता था

अब मिथलेश अपने सिलाई का काम घर पर ही कर रही थी। एक दिन उनके SHG की बैठक में मितिलेश को "SVEP" योजना के बारे में CRPEP से जानकारी मिली । CRPEP ने मीटिंग में SVEP योजना के बारे मे बताया और ये भी समजाया कि हम अपनी आर्थिक स्थिति केसे बदल सकते हैं।एक छोटा सा व्यापार शुरु कर सकते हैं । मिथलेश दीदी ने "SVEP" योजना के बारे सुना और वह अपने पति से बोली की क्यो ना हम भी" SVEP "के तहत फर्नीचर का काम शुरु कर ले। तो मितिलेश ने " CRPEP " से पुरी जानकारी लेयी। पवन कुमार SVEP के तहत ट्रेनिग प्रशिक्षण मे भी भाग लेते हैं ल GOT ' EDP " प्रशिक्षण लेके " BRC से '50000' का ऋण अपनी दुकान के लिए लेते है ।फिर कुछ ऋण समूह से भी लेते है और अपना फर्नीचर का काम शुरु कर देते है। पवन कुमार अब अपने व्यापार से अच्छा लाभ कमा रहे हैं और अपने बच्चो की पढाई और घर का खर्च उठा रहे हैं ।पवन कुमार अपने व्यापार से '6000' लाभ कमा रहे हैं अब उनकी आर्थिक स्थिति सही हो रही है ल